पुष्प की अभिलाषा

पुष्प की अभिलाषा

चाह नहीं मैं सुरबाला के
गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं, प्रेमी-माला में
बिंध प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं, सम्राटों के शव
पर हे हरि, डाला जाऊँ,
चाह नहीं, देवों के सिर पर
चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ।
मुझे तोड़ लेना वनमाली!
उस पथ पर देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जावें वीर अनेक

-- माखनलाल चतुर्वेदी

मेरा परिवार

मौखिक प्रश्न

1 ◆पुष्प किसके गहनों में गुथने की इच्छा नहीं रखता ?

उत्तर:- पुष्प सुरबाला अर्थात देवकन्या या राजकन्या के गहनों में गुथने की इच्छा नहीं रखता ।

2 ◆ पुष्प देवों के सिर पर चढ़कर क्या नहीं करना चाहता ?

उत्तर :- पुष्प देवों के सिर पर चढ़कर अपने भाग्य पर इतराना अर्थात अभिमान या घमंड नहीं करना चाहता।

3◆पुष्प किस पथ पर स्वयं को समर्पित करना चाहता है ?

उत्तर :- पुष्प उस पथ पर स्वयं को समर्पित करना चाहता है जिस पथ पर अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर जाते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1 ◆ पुष्प वनमाली से क्या कहता है ?

उत्तर :- पुष्प वनमाली से कहता है कि हे वनमाली ! मुझे तोड़ने के बाद मेरा प्रयोग किसी सुरबाला के आभूषण में,किसी प्रकार की माला में ,किसी के शव की शोभा बढ़ाने में तथा देवों के सिर का ताज बनाने में न करना।मेरी इच्छा है कि मुझे तुम उस रास्ते पर फेंक देना जिस रास्ते पर देसभक्त अपने देश के लिए अपना बलिदान देने जाते हैं।

2◆पुष्प अपने आपको क्यों समर्पित करना चाहता है?

उत्तर :-पुष्प आपने आपको इसलिए समर्पित करना चाहता है क्योंकि वे वीर जिनके पथ पर वह बिछना चाहता है वह भी अपने देश के प्रति पूरी तरह से समर्पित है और अपने प्राण न्योछावर करने को तैयार है।इस प्रकार पुष्प देशभक्तो के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करता है ।

1◆ आप अगर पुष्प की जगह होते तो क्या करते ?

मैं अगर पुष्प की जगह होता/ होती तो मैं भी स्वयं को अपने देश अर्थात अपनी मातृभूमि के प्रति समर्पित करता / करती। पुष्प अचल है और वह देश के वीरो का सम्मान करके ही अपनी देशभक्ति प्रदर्शित कर सकता है । मैं भी अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राण न्योछवार करने के लिए हमेशा तैयार रहूंगा/ रहूंगी।

2◆'बिंध प्यारी को ललचाऊँ ' पंक्ति का तात्पर्य क्या है ?

उत्तर- पंक्ति का तात्पर्य है कि पुष्प माली से अपनी अनिच्छा प्रकट करते हुए कहता है कि प्रेमियों की मालाओं में बंध जाने के लिए वह बिल्कुल भी ललचाया हुआ नहीं है।

अतिरिक्त प्रश्न

1 ◆कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

इस कविता का सारांश यह है कि , एक पुष्प जिसका प्राकृतिक इस्तेमाल , सुन्दर स्त्रियों पर सुशोभित होना , प्रेमिकाओं के गले की माला बनना , भगवानों की मूर्तियों पर चढ़ाया जाना और सम्राटों के शव पर डाला जाना है। वह पुष्प इस सब को छोड़ कर अपने आप को देश पर बलिदान होने वालों पर डालने के लिए माली से अपनी इच्छा प्रकट कर रहा है। इस कविता में कवि ने देश भक्ति की भावना जगाने की कोशिश की है।

2 ◆प्रश्न (Question): इस कविता के रचयिता (Poet) कौन हैं ?

उत्तर (Answer): इस कविता के रचयिता माखनलाल चतुर्वेदी हैं।

3◆प्रश्न (Question): पुष्प की अभिलाषा क्या नहीं है ?

उत्तर (Answer): पुष्प की अभिलाषा सुन्दर स्त्रियों पर सुशोभित होना , प्रेमिकाओं के गले के माला बनना , भगवानों की मूर्तियों पर चढ़ाया जाना और सम्राटों के शव पर डाला जाना नहीं है।

4 ◆प्रश्न (Question): पुष्प अपनी अभिलाषा किस पर प्रकट कर रहा है ?

उत्तर (Answer): पुष्प अपनी अभिलाषा बाग के माली पर प्रकट कर रहा है।

5 ◆प्रश्न (Question): इस कविता के माध्यम से कवि क्या सन्देश देना चाहता है ?

उत्तर (Answer): इस कविता के माध्यम से कवि यह कहना चाहता है की वीरों का मातृभूमि पर किया गया अपने प्राणों का बलिदान सर्वोपरि है। यह बात कवि ने एक फूल के माध्यम से कहने की कोशिश की है। जिसमें एक फूल भी अपने आप को वीरों पर चढ़ाया जाना सबसे अधिक श्रेयस्कर मानता है।